

पटना: 8 मार्च 2022

पैरालिंपिक रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया ने बिहार में पीएम मोदी की 'चैंपियंस से मिलो' पहल की शुरुआत की, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पटना के स्थानीय सभी लड़कियों के स्कूल का दौरा किया

पटना, बिहार; 8 मार्च: पैरालिंपिक रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया ने मंगलवार, 8 मार्च को पटना के सरकारी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया और देश के पूर्वी क्षेत्र में संतुलित आहार और फिटनेस के महत्व के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए पीएम मोदी के स्कूल यात्रा अभियान की शुरुआत की। मीट द चैंपियंस शीर्षक से, टोक्यो 2020 ओलंपियन इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में देश भर के स्कूलों का दौरा कर रहे हैं।

योगेश, जिनकी माँ ने बचपन में उनके ठीक होने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी, अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वहां मौजूद सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा "वह शुरू से ही हमेशा मेरे साथ रही है और हमेशा मेरा समर्थन किया है, इसलिए मैं विशेष रूप से इस महिला दिवस को उन्हें समर्पित करता हूं।"

इसके बाद उन्होंने अपनी पैरालिंपिक यात्रा के बारे में बात की और कहा, "हालांकि यह यात्रा मेरे लिए 2017 में ही शुरू हुई थी, मुझे जल्दी ही एहसास हो गया कि यह मेरे लिए खेल है और मैं जिस करियर में रहना चाहता हूं, और तब से मैंने खुद को पूरी तरह से इस खेल के लिए समर्पित कर दिया है।"

"मीट द चैंपियंस" पहल सरकार के 'आजादी का अमृत महोत्सव' का हिस्सा है जो कि था दिसंबर 2021 में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शुरुआत की है।

अब तक 9 ओलंपियन और पैरालिंपियन पिछले कुछ महीनों में 600 से अधिक स्कूलों के छात्र प्रतिनिधियों से मिल चुके हैं और अपने जीवन के अनुभव, सबक, सही खाने के टिप्स और स्कूली बच्चों को समग्र रूप से प्रेरणादायक बढ़ावा देने के लिए साझा किए हैं।

पटना में योगेश के कार्यक्रम के दौरान, राज्य शिक्षा बोर्ड ने विभिन्न स्कूलों के दिव्यांग छात्रों को भी आमंत्रित किया, ताकि योगेश उनके साथ बातचीत कर सकें और उन्हें खेल के लिए प्रेरित कर सकें।

बच्चों को संबोधित करते हुए योगेश ने कहा, "हमें सभी खाद्य पदार्थों की आवश्यकता है, यहां तक कि चीनी भी, लेकिन सही मात्रा में और सही खाद्य पदार्थों से। आपको जंक फूड से भी प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट मिलते हैं, लेकिन उनके पास अतिरिक्त मात्रा में संतृप्त वसा भी होती है

आपको बचने की जरूरत है। इसलिए अपने प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के स्रोत के लिए सही खाद्य पदार्थ खोजना महत्वपूर्ण है।"

स्थानीय छात्रों के साथ बातचीत के बाद, योगेश ने वहां मौजूद छात्रों के साथ वॉलीबॉल का खेल भी खेला और अगली पीढ़ी के एथलीटों को सभी प्रकार के खेलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

युवा कार्यक्रम और खेल एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से अनोखा स्कूल दौरा चलाया जा रहा है। यह पहल टोक्यो ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों में भारत की बड़ी सफलता के बाद शुरू हुई, जब प्रधान मंत्री मोदी ने एथलीटों के साथ बातचीत के दौरान उनसे 75 स्कूलों का दौरा करने और संतुलित आहार और फिटनेस के महत्व के बारे में बात करने का अनुरोध किया था।